



6

पशु पक्षियों का भोजन एवं सहायक अंग



माँ हमें भूख लगी है। हमें भी आपके साथ चलना है।

गौरैया बोली—नहीं—नहीं, तुम तो अभी उड़ भी नहीं सकते। मैं तुम्हारे लिए खाना लेकर आती हूँ। तुम लोग यहीं रहना। इधर—उधर मत जाना।

खाने की तलाश में गौरैया कई जगह गई, लेकिन उसे अपने बच्चों के लिए खाना नहीं मिला। अचानक गौरैया को छत पर एक लड़की दिखाई दी। वह खाना खा रही थी। गौरैया लड़की के पास जाकर बैठ गई।

लड़की ने गौरैया से पूछा—तुम इतनी उदास क्यों हो?

गौरैया बोली—मुझे और मेरे बच्चों को भूख लगी है।

लड़की ने गौरैया को रोटी का एक टुकड़ा दिया। गौरैया ने चोंच से पकड़ा, पर उसे उठा नहीं पाई। दूर बैठा एक कबूतर यह सब देख रहा था। वह उड़ कर गौरैया के पास आया।



कबूतर ने गौरैया से पूछा—क्या मैं तुम्हारी मदद करूँ ?

गौरैया ने कहा— हाँ, यह रोटी मेरे घोंसले तक पहुँचा दो ।

कबूतर अपनी चोंच में रोटी दबाकर गौरैया के साथ उसके घोंसले में गया । फिर वहाँ सबने मिलकर रोटी खाई ।

सोचो और लिखो

तुम्हारे आसपास कौन-कौन से पक्षी दिखाई देते हैं ? वे क्या-क्या खाते हैं?

पक्षी के नाम

.....

.....

भोजन

.....

.....

पक्षी भोजन कैसे खाते हैं ?

हम अपना भोजन हाथ से पकड़कर मुँह में डालते हैं । पक्षी भी पंजे व चोंच की सहायता से अपना भोजन पकड़ कर खाते हैं । पक्षियों के पंजे व चोंच की बनावट उनके खान-पान के अनुरूप होती है । पक्षियों की चोंच एवं पंजे की बनावट फल, सब्जियों, अनाज के दानों को उठाने, छीलने, कुतरने, नोचने एवं पकड़ने में उनकी मदद करती है ।

गौरैया की चोंच छोटी एवं नुकीली होती है । इससे उसे अनाज के दानों को छीलने और फोड़ने में सहायता मिलती है । शक्करखोरा की चोंच पतली और घुमावदार होती है । इससे वह फूलों के रस चूसने का कार्य आसानी से करता है ।



गौरैया



शक्करखोरा



बाज व चील की चोंच छोटी और आगे की ओर मुड़ी होती है तथा पंजे नुकीले होते हैं। इससे उन्हें भोजन को पकड़ने में आसानी होती है।



बाज



बगुला

पानी एवं उसके आस-पास रहने वाले पक्षियों की चोंच इस प्रकार होती है कि वे कीचड़ एवं पानी में रहने वाले कीड़े एवं अन्य जीवों को पकड़कर आहार के रूप में ले सकते हैं।

पशुओं का भोजन

पक्षियों की तरह पशुओं के भोजन में भी भिन्नता होती है। कुछ पशु केवल घास, हरे पेड़-पौधों की पत्तियाँ खाते हैं। कुछ पशु मांसाहारी होते हैं। मनुष्य की तरह पशुओं में भी भोजन करने में दाँतों की प्रमुख भूमिका होती है। दाँत भोजन को पकड़ने, काटने और चबाने में सहायक होते हैं। जानवरों के दाँतों की बनावट उनके खान-पान में मदद करती है। खाना चबाकर खाने के लिए पीछे के दाँत अधिक मजबूत होते हैं। जो पशु अपना आहार मांस के रूप में लेते हैं, उनके आगे के दाँत अधिक नुकीले होते हैं।

चित्र को देखो और समझो—

गाय के आगे के दाँत छोटे होते हैं जिससे वह अपने भोजन को काटती है। घास या भोजन को चबाने के लिए पीछे के दाँत चपटे और बड़े होते हैं।



गाय



शेर

शेर का आहार (भोजन) मांस होता है। वह नुकीले दाँतों की मदद से अपने भोजन को आसानी से खाता है।



गिलहरी के दाँत हमेशा बढ़ते रहते हैं। वह अपना खाना कुतरकर और काटकर खाती है। इससे उसके दाँत घिसते भी रहते हैं।



1. प्रश्नों के उत्तर लिखो—

(क) भोजन करने में दाँतों का क्या महत्व है ?

(ख) पक्षियों के पंजे तथा चोंच भोजन करने में किस प्रकार सहायक हैं ?

(ग) भोजन के रूप में घास या हरे पत्ते खाने वाले पशुओं के दाँतों की बनावट कैसी होती है ?

2. सही जोड़े बनाओ—

क. बगुला	मिर्च
ख. मोर	कीड़े—मकोड़े
ग. तोता	मछली
घ. कौआ	साँप
ङ. भैंस	मांस
च. शेर	घास

3. लिखो, कौन क्या खाता है—

गौरैया, बया, गाय, बकरी, हाथी, कुत्ता, बिल्ली

4. तरह—तरह के पशु—पक्षियों के चित्र इकट्ठा करो। इन्हें अपनी कॉपी में चिपकाओ।

